रेल कैरली

भाषा ज्ञान एवं संस्कृति की सशक्त संवाहिका होती है। इसके अभाव में किसी राष्ट्र की संस्कृति या अस्मिता की कल्पना तक नहीं कर सकते हैं। राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने के लिए एक राजभाषा का होना आवश्यक है इसलिए 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने यह निर्णय लिया कि हिन्दी केन्द्र सरकार की राजभाषा होगी। क्योंकि भारत मे अधिकतर क्षेत्रों में ज्यादातर हिन्दी भाषा बोली जाती थी इसलिए हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया और इसी निर्णय के महत्व को प्रतिपादित करने तथा हिन्दी को प्रत्येक क्षेत्र में प्रसारित करने के लिये वर्ष 1953 से पूरे भारत में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत की विविधता का सम्मान करने के लिए, उस समय हिंदी को राजभाषा के रूप में चुना गया था। परिणामस्वरूप, हिंदी वह सूत्र बन गई जिसने भारत को एक इकाई के रूप में बांधा । स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थापित करवाने के लिए काका कालेलकर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, सेठ गोविन्ददास आदि साहित्यकारों को साथ लेकर व्यौहार राजेन्द्र सिंह ने अथक प्रयास किए।

वर्ष 1918 में गांधी जी ने हिन्दी साहित्य सम्मेलन में हिन्दी भाषा को राजभाषा बनाने को कहा था। इसे गांधी जी ने **जनमानस** की भाषा भी कहा था। वर्ष 1949 में स्वतंत्र भारत की राजभाषा के प्रश्न पर 14 सितम्बर 1949 को काफी विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया जो भारतीय संविधान के भाग 17 के अध्याय की अनुच्छेद 343(1) में इस प्रकार वर्णित है. 'संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी। संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप अन्तरराष्ट्रीय रूप होगा।'

हिंदी दिवस मनाने के पीछे का उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रयोग को प्रोत्साहन देना है। वर्ष में एक दिन इस बात को लोगों के समक्ष रखना है कि जब तक वे हिन्दी का उपयोग पूर्ण रूप से नहीं करेंगे तब तक हिन्दी भाषा का विकास नहीं हो सकता। हिंदी, भाषा के रूप में कितनी समृद्ध है, लोगों में इस बात की जागरूकता फैलाना भी इसका उद्देश्य है। इस एक दिन सभी सरकारी कार्यालयों में अंग्रेजी के साथ साथ हिन्दी का उपयोग करने की सलाह दी जाती है। इसके अतिरिक्त जो वर्ष भर हिन्दी के विकास के लिए प्रयासरत रहता है और अपने दैनिक कार्य में हिन्दी का अच्छी तरह से उपयोग करता है, उसे पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

भारत की एकता, अखंडता, समृद्धि और गतिशीलता को बनाए रखने के लिए यह सबसे अच्छा विकल्प साबित हुआ।

" अखिल भारत के परस्पर व्यवहार के लिए ऐसी भाषा की आवश्यकता है जिसे जनता का अधिकतम भाग पहले से ही जानता समझता है। "

सुस्वागतम्

श्री अरुण कुमार चतुर्वेदी ने 14 सितंबर 2023 को दक्षिण रेलवे, पालक्काड मंडल के मंडल रेल प्रबंधक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

मंडल रेल प्रबंधक के रूप में कार्य ग्रहण करने से पहले, आप आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के तहत केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, दिल्ली में संयुक्त सचिव और मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर थे।

श्री अरुण कुमार चतुर्वेदी 1993 बैच के आईआरएसई कैडर (भारतीय रेलवे इंजीनियर्स सेवा) के अधिकारी हैं। आपके पास दक्षिण पूर्व रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे और राइट्स में काम करने का विविध अनुभव है। पालक्काड मंडल आपका हार्दिक स्वागत करता है।

श्री के. अनिल कुमार ने 03 अक्तूबर 2023 को दक्षिण रेलवे, पालक्काड मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। इससे पहले आपने मैसूरु मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, बेंगलूरु मंडल में वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी और वरिष्ठ पर्यावरण व गृह-व्यवस्था प्रबंधक के रूप में कार्यरत थे।

आप 2002 बैच के आईआरटीएस (भारतीय रेलवे यातायात सेवा) के अधिकारी हैं। इससे पूर्व आप दक्षिण पूर्व रेलवे, कोलकत्ता में सी.पी.टी.एम और सी.सी.एम/आईटी के रूप में भी काम किया है। पालक्काड मंडल आपका हार्दिक स्वागत करता है।

राजभाषा अनुभाग की गतिविधियाँ

मंडल के राजभाषा उत्सव के उपलक्ष्य में दि.**18.07.2023** से **01.08.2023** तक **8** हिन्दी प्रतियोगिताएं ऑनलाइन माध्यम से चलाई गई।

दिनांक	प्रतियोगिता	प्रतिभा
18.07.2023- 19.07.2023	हिन्दी शीर्षक प्रतियोगिता	82
19.07.2023	हिन्दी निबंध प्रतियोगिता	23
20.07.2023	टिप्पण व प्रारूप लेखन	53
21.07.2023	हिन्दी फिल्मी गीत	11
24.07.2023	वाक् प्रतियोगिता	9
25.07.2023	हिन्दी कथा सृजन	10
27.07.2023	सामान्य प्रश्नोत्तरी	43
01.08.2023	पहेली सुलझाएँ	29

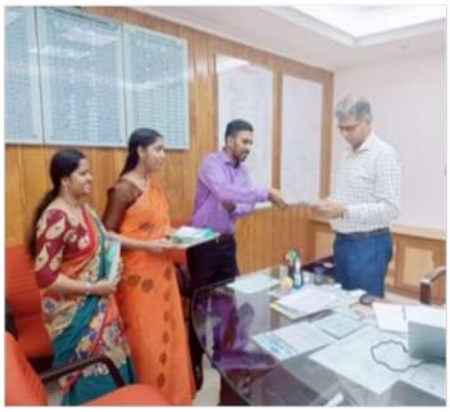

हिंदी दिवस **2023** के सिलसिले में **14.09.2023** को राजभाषा अनुभाग के कर्मचारियों ने अधिकारियों और कर्मचारियों को **"क्या करें, क्या न करें"** सहायक साहित्य और मिठाई बांटकर हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ दी।

विदाई

मंडल के वरि.अनुवादक श्रीमती रमा सुरेश की सेवानिवृत्ति दि.**30** सितंबर, **2023** को हुई। सेवानिवृत्ति पर पालक्काड मंडल आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है।

विशेष अभियान

राजभाषा उत्सव के सिलसिले में दि.**04.08.2023** से **04.09.2023** तक **"दैनिक कामकाज में हिंदी का प्रयोग का बढावा देना"** विषय पर पालक्काड मंडल के कर्मचारियों के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

हिंदी कार्यशाला - दि.**30.09.2023** को समाप्त तिमाही के दौरान कोझिक्कोड, मंगलूरु, कण्णूर, षोर्णूर स्टेशनों और बहुविभागीय मंडल प्रशिक्षण केंद्र में हिंदी कार्यशालाएँ चलाई गई।

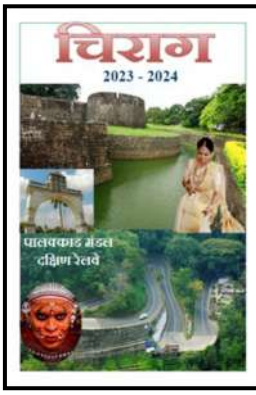

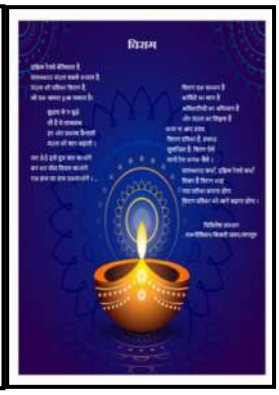

मंडल रेल प्रबंधक, श्री गणेश द्वारा पूर्व मंडल रेल प्रबंधक श्री आर. मुकुंद की उपस्थिति में दि.**24.08.2023** को संपन्न मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के दौरान वार्षिक हिन्दी गृह पत्रिका **"चिराग"** का विमोचन किया गया।

जिस देश को अपनी भाषा और साहित्य का गौरव का अनुभव नहीं है, वह उन्नत नहीं हो सकता : डॉ. राजेंद्र प्रसाद

मंडल की अन्य गतिविधियाँ

षोर्णूर जंक्शन, तिरूर, वडकरा, पय्यन्नूर, कासरगोड और मंगलूरु जं रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की आधारशिला का स्थापना माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया।

दूसरे वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन दि.**24.09.2023** को तिरुवनंतपुरम सेंट्रल से हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस सिलसिले में षोर्णूर जंक्शन, तिरूर, कोळिक्कोड, तलश्शेरी, कण्णूर, पय्यन्नूर और कासरगोड रेलवे स्टेशन आदि पर गाड़ी के लिए भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया।

रेलवे, जीआरपी, रे.सु.ब और राज्य सरकार के विभागों द्वारा पालक्काड टाउन और कोळिक्कोड रेलवे स्टेशनों पर क्रमशः **22.07.2023** और **26.07.2023** को संयुक्त रूप से मॉक ड्रिल आयोजित किए गए।

महीने के दौरान **31.08.2023** को एमडीडीटीआई/पीजीटी में संरक्षा संवाद सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें अपर मंडल रेल प्रबंधक/I, शाखा अधिकारियों और विभिन्न विभागों के **60** कर्मचारियों ने भाग लिया।